श्याम की भक्ती करते होतो

(तर्ज : मिलने की तुम कोशिश करना .....)

श्याम की भक्ती करते होतो, अहम कभी ना करना
बाबा का दरबार है सांचा, वहम कभी ना करना
मेरा बाबा रुठ जाता हैं ....

सांवरिया की अजब कहानी, दिलों में बस्ते हैं
जो अभिमान करता है, उसपर बाबा हस्ते हैं
प्रेम ही पूजा सांवरिया की, झुठा प्रेम न करना
मेरा बाबा रुठ जाता है ....

दिल जो दुखाया किसी का तुमने, चोट श्याम को लगती
रुठ जायें बाबाजी तो, मीट जाये तुम्हारी हस्ती
झुठी हस्ती के मद मे तुम, दिल ना किसी का दुखाना
मेरा बाबा रुठ जाता है ....

श्याम की माला फेरो चाहें, श्याम कभी ना मिलते
जिस माला में प्रेम ना हो, वहाँ श्याम कभी ना आते
कहे श्याम झुठी माया के, चक्कर मे ना पड़ना
मेरा बाबा रुठ जाता है ....